www.xtrapapers.com

M12/1/A1HIN/SP2/HIN/TZ0/XX

22120132

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

HINDI A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 2
HINDI A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 2
HINDI A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 2

Tuesday 15 May 2012 (morning)
Mardi 15 mai 2012 (matin)
Martes 15 de mayo de 2012 (mañana)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.
- The maximum mark for this examination paper is *[25 marks]*.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3e partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à amener des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.
- Le nombre maximum de points pour cette épreuve d'examen est *[25 points]*.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.
- No se permite traer a la sala de examen copias de las obras estudiadas.
- La puntuación máxima para esta prueba de examen es *[25 puntos]*.

© International Baccalaureate Organization 2012

www.xtrapapers.com

*नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु आपका निबन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए। ऐसे उत्तर जो भाग ३ पर आधारित **नहीं** है उन्हे सर्वाधिक अंक **नहीं** दिए जाएंगे।*

कविता

१. कवियों ने प्रकृति और मानव के संघर्ष और सह संबंधों को अपनी कविता का वर्ण्य विषय बनाया है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कविताओं के आधार पर प्रकृतिऔर मनुष्य के संबंधों की प्रस्तुति की विवेचना करें।

२. कविता को प्रभावोत्पादक बनाने में विषयानुकूल शब्द-चयन एवं पुनरावृति का अत्यधिक महत्व है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कविताओं के आधार पर बताइए कविता के वर्ण्य-विषय को समझने में शब्दों का चयन एवं पंक्तियों की आवृति ने कैसे मदद की ?

उपन्यास

३. एक सफल उपन्यासकार के पात्रों के नाम से पाठक तत्काल आत्मीयता अनुभव करते हैं और उनकी कथा को अपनी कथा मानकर पढ़ते हैं और आत्मसात करते हैं। अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर बताइए कि विभिन्न उपन्यासकारों ने अपने पात्रों के नाम को किस सीमा तक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है ?

४. "उपन्यास का ध्येय केवल मानव जीवन का चित्रण नहीं वरन सम्पूर्ण वास्तविकता व यथार्थता का भी चित्रण करना है।" अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर बताइए कि यह कथन कहॉं तक मान्य है ?

कहानी

५. "कहानी का केन्द्रीय विन्दु कथानक होता है।" इस कथन से अपनी सहमति अथवा असहमति जताते हुए अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के कथानकों एवं कथानक की भूमिका की तुलना कीजिए।

६. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर बताइए कि ऐसे कौन से साधन है, जिनके कारण कथाकार पाठकों को बार-बार सोचने को बाध्य कर देता है ?

www.xtrapapers.com

नाटक

७. नाटकों में कथानक और चरित्र चित्रण संवाद के द्वारा ही संभव है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो नाटकों की तुलना करते हुए उपर्युक्त कथन से अपनी सहमति अथवा असहमति व्यक्त कीजिए।

८. नाटक के कथानक के विकास में लोकमानस द्वारा अपनाए गए नीतिगत मूल्य एवं आचार विचार महत्त्वपूर्ण हैं। अपने पढ़े हुए कम से कम दो नाटकों के आधार पर बताइए कि उनके नाटककारों ने अपने नाटकों के कथानक के विकास में इन मूल्यों एवं आचार विचार का किस सीमा तक सफलतापूर्वक उपयोग किया है ?

निबंध

९. एक सफल निबंधकार विचारों और भावों को एक साथ लेकर चलता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबन्धों के आधार बताइए कि उनमें विचारों की प्रधानता है या भावों की ?

१०. निबंधों में लेखक की मनोवृति के साथ-साथ उसका पूर्वाग्रह भी झलकता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबन्धों के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

साधारण प्रश्न

११. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर बताइए कि राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति को साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से किस सीमा तक और किन साधनों द्वारा प्रस्तुत किया है ?

१२. "लीक से हटकर चलना, स्पष्टवादिता, बेबाकी एवं साहस के साथ पारंपरिक मूल्यों को चुनौती देना साहित्य की आत्मा है।" अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं की तुलना करते हुए बताइए कि इन में से किसी एक को प्रस्तुत करने में रचनाकार ने किस सीमा तक सफलता प्राप्त की है ?

१३. झूठी शान अथवा मान-सम्मान एवं इसके परिणाम की भूमिका को साहित्यिक रचनाओं के सन्दर्भ में नकारा नहीं जा सकता। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर मान-सम्मान के प्रभाव और परिणामों की तुलना कीजिए।

१४. साहित्यिकारों ने मानव स्वभाव का वर्णन तथा मानव मन का चित्रण करने का प्रयास समय-समय पर किया है। कम से कम दो रचनाओं को आपने पढ़ा है उनमें लेखकों ने मानव मन और स्वभाव को किस प्रकार और किस सीमा तक प्रस्तुत किया है ?